दैनिक भास्कर
बिलासपुर 24-11-2025

भास्कर खास

53वें सीजेआई का शपथ ग्रहण आज, हरियाणा के पैतृक गांव के लोग दीये जलाकर मनाएंगे खुशी

जस्टिस सूर्यकांत आज बनेंगे सीजेआई; अभी भी अपने गांव से जुड़े, पेटवाड़ के दोनों स्कूलों के टॉपर्स को हर साल जाकर करते हैं सम्मानित

धर्मेंद्र झा | हिसार

हरियाणा के हिसार जिले का पेटवाड़ गांव में उत्सव जैसा माहौल है। गांव के लोग दीये जलाकर खुशी मनाने की तैयारी में हैं। वजह है- यहीं जन्मे और पले-बढ़े जस्टिस सूर्यकांत का देश के 53वें प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) पद की शपथ ग्रहण करना।

जस्टिस सूर्यकांत सोमवार को राष्ट्रपति भवन में सीजेआई पद की शपथ लेंगे। इस समारोह में परिवार के सभी सदस्य शामिल होंगे। इसके साथ ही हिसार व हांसी बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों को भी आमंत्रित किया गया है। जस्टिस सूर्यकांत के पिता मदनमोहन शास्त्री संस्कृत के शिक्षक और प्रसिद्ध साहित्यकार थे। मां शशि देवी गृहणी थीं। बड़े भाई ऋषिकांत सेवानिवृत्त शिक्षक हैं, दूसरे भाई शिवकांत डॉक्टर और तीसरे देवकांत आईटीआई से रिटायर्ड हैं। बहन कमला देवी सबसे बड़ी हैं। जस्टिस सूर्यकांत सबसे छोटे हैं।

बड़े भाई ऋषिकांत ने बताया, सूर्यकांत ने 10वीं तक पढ़ाई गांव में की। इसके बाद हिसार गवर्मेंट कॉलेज से स्नातक और रोहतक से लॉ की पढ़ाई की। वकालत की शुरुआत हिसार कोर्ट से की। फिर चंडीगढ़ गए और 2000 में हरियाणा के एडवोकेट जनरल बने और 2004 में हाई कोर्ट में जज बने। - शेष | पेज 3

पिता चाहते थे इंजीनियर बनें, उन्होंने कानून पढ़ा

जस्टिस सूर्यकांत बड़े भाई ऋषिकांत व भाभी राजबाला के साथ गांव में।

ऋषिकांत ने बताया, 'एक भाई के डॉक्टर बना तो पिताजी चाहते थे सूर्यकांत इंजीनियर बनें, लेकिन उन्होंने कानून पढ़ा। पढ़ने में तेज थे। सूर्यकांत अभी भी गांव से जुड़े हैं। गांव के दोनों स्कूल के टॉपर्स को सम्मानित करने हर साल आते हैं। गांव में पूर्वजों के नाम पर एक तालाब है। वहां जरूर जाते हैं। जब भी आते हैं बथुआ, बाजरे की रोटी, कढ़ी बनती है।'

विवाह की बात हुई तो कह दिया दहेज में एक चम्मच भी नहीं चाहिए

ऋषिकांत ने बताया, सूर्यकांत के विवाह की बात चली तो उन्होंने कहा था दहेज में एक चम्मच भी नहीं लूंगा। विवाह 1987 में जींद की सविता शर्मा से हुआ। वे रिटायर्ड प्रिंसिपल हैं। दो बेटियां हैं जो कानून की पढ़ाई कर रही हैं।

गांव के गौरव... पहला नाम जस्टिस सूर्यकांत का

हिसार से 50 किमी दूर दस हजार आबादी वाले पेटवाड़ का इतिहास

गौरवपूर्ण रहा है। गांव में एक गौरव पट्ट लगे हैं। एक पट्ट पर गांव के 5 स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, दूसरे पर दो शहीद जवान और तीसरे पर बड़े पदों पर पहुंचे 26 लोगों के नाम लिखे हैं। इनमें आईएएस, आईपीएस, वैज्ञा निक, डॉक्टर आदि शामिल हैं। इसमें सबसे ऊपर जस्टिस सूर्यकांत का नाम है।